# सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

| भाग अ - परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम: प्रमाण पत्र | कक्षा: बी.ए. | वर्ष:: प्रथम | सत्र: 2021-22 |
| विषय: दर्शनशास्त्र | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A1-PHIL2T | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | नीतिशास्त्र का परिचय - प्रश्न पत्र -II | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : कोर कोर्स | कोर कोर्स | |
| 4 | पूर्वापेक्षा | बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण समस्त विद्यार्थीयों के लिये | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | 1. नीतिशास्त्र के इस पाठ्यक्रम के अध्ययन को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी अपने व्यवहार एवं कार्यों के प्रति सचेत रहेगा।<br>2. वह अपने कार्यस्थल पर समाधानपरक नीतियों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने का ज्ञान रखेगा।<br>3. वह नैतिक विचारकों एवं दार्शनिकों के बारे में जानेगा जो उसके ज्ञान को विस्तार प्रदान करेंगे। | |
| 6 | क्रेडिट मान | 6+0=6 | |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक: 25+75 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33 |

| भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या -90, ट्यूटोरियल- प्रायोगिक L-T-P 3+0+0=3 (प्रति सप्ताह घंटे में) | | व्याख्यान की संख्या |
| इकाई | विषय | |
| I | **दर्शन का परिचय**<br>1. दर्शन की अवधारणा, दर्शन की मुख्य शाखाएँ - तत्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा और मूल्यमीमांसा।<br>2. भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन में भेद।<br>3. सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक नीतिशास्त्र।<br>4. नीतिशास्त्र की विशेषताएँ एवं मानव के लिए इसकी आवश्यकता।<br>**कुंजी शब्द - दृश्यते अनेन इति दर्शनम्, दर्शन की शाखाएँ, व्यावहारिक नीतिशास्त्र।** | 18 |
| II | **भारतीय नीतिशास्त्र अवधारणा और स्वरुप**<br>1. भारतीय नीतिशास्त्र अवधारणा, नीतिशास्त्र का स्वरुप एवं क्षेत्र।<br>2. भारतीय परम्परा में मानवीय मूल्य एवं इतिकर्तव्यता का सिद्धांत।<br>3. भारतीय नीतिशास्त्र की आधारभूत मान्यताएँ - वैदिक दर्शन के विशेष सन्दर्भ में - आध्यत्मिकता, पुर्नजन्म, कर्मवाद।<br>4. उपनिषदों, गीता योगवाशिष्ठ एवं मनुस्मृति में नैतिकता का स्वरूप।<br>**कुंजी शब्द - भारतीय नीतिशास्त्र, इतिकर्तव्यता, आध्यत्मिकता, पुर्नजन्म, कर्मवाद, श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम, मनुस्मृति ।** | 18 |
| III | **भारतीय नीतिशास्त्र अवधारणा और स्वरुप**<br>1. ऋत का नियम एक प्राकृतिक नैतिक व्यवस्था।<br>2. ऋण एक नैतिक प्रत्यय-देव ऋण, गुरू ऋण, मातृ-पितृ ऋण।<br>3. गीता में लोक संग्रह की भावना एवं कर्म के प्रकार-संचित, प्रारब्ध, क्रियमान।<br>4. आश्रम व्यवस्था – ब्रह्मचर्य गृहस्थ वानप्रस्था एवं सन्यास।<br>**कुंजी शब्द** – ऋत, ऋण, लोक संग्रह, कर्म के प्रकार, आश्रम। | 18 |



डॉ. विनीता अवस्थी, दर्शनशास्त्र
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

| | | |
|---|---|---|
| IV | **भारतीय नीतिशास्त्र के मुख्य सिद्धान्त**<br>1. पुरुषार्थ चतुष्टयं - धर्म अर्थ काम एवं मोक्ष मूल नैतिक कर्तव्य के रूप में<br>2. चार्वाक दर्शन का सुखवाद, जैन दर्शन के पंचमहाव्रत,<br>3. बौद्ध दर्शन में पारमिता एवं ब्रहम विहार।<br>4. योग दर्शन में यम एवं नियम।<br>**कुंजी शब्द - धर्मो रक्षति रक्षितः, पुरुषार्थ, नास्तिक दर्शन, योग दर्शन।** | 18 |
| V | **पंचतत्वों की जीवन में आवश्यकता संवर्धन, संरक्षण एवं सम्मान - पर्यावरणीय नीतिशास्त्र**<br>1. जल, अग्नि, वायु, आकाश एवं पृथ्वी - पृकृति प्रदत्त पंचतत्वों की जीवन में आवश्यकता - संवर्द्धन संरक्षण एवं सम्मान।<br>2. सनातन धर्म में पंचतत्वों का संरक्षण एवं यज्ञ का महत्व।<br>3. चेतन एवं अचेतन अस्तित्व परिस्थितकी तंत्र के लिए अपरिहार्य, हिंसा एक अनैतिक कृत्य ।<br>4. व्यावसायिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों में पंचतत्वों के संरक्षण की आवश्यकता , पर्यावरणीय नैतिकता।<br>**कुंजी शब्द - सर्वखल्विदं ब्रह्म पंचमहाभूत, नैतिक पर्यावरण, यज्ञ, व्यावसायिक एवं औद्योगिक नैतिकता।** | 18 |

## भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

### पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन


1. डॉ. मिश्र, नित्यानंद नीतिशास्त्र (सिद्धान्त तथा प्रयोग), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2005
2. डॉ. वर्मा, वेद प्रकाश नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त, एलाइड पब्लिकेशन, दिल्ली, 1977
3. डॉ. वर्मा, अशाके कुमार नीतिशास्त्र के सिद्धान्त, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1977
4. डॉ. पाण्डेय, संगमलाल नीतिशास्त्र का सर्वेक्षण, सेन्ट्रल पब्लिशिंग हाऊस, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. जाटव, डी. आर. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर, 2006
6. डॉ. शाक्य राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. खरे प्रदीप कुमार, नीतिशास्त्र मध्य प्रदेष हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल म.प्र.
7. डॉ.उपाध्याय, बलदेव भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर वाराणसी, 1997
8. डॉ. मिश्र, श्रीकान्त भारतीय नीतिशास्त्र, आशा पब्लिशिंग कम्पनी, आगरा, 2018
9. डॉ. मिश्र, एच एन नीतिशास्त्र की भूमिका, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, 1984
10. डॉ. शाक्य, जे. पी. भारतीय नीतिशास्त्र,अशोक प्रकाशन आगरा, 2015
11. डॉ.. गर्ग, एच एस पर्यावरण अध्ययन, 9859 कोड 9859ए 978-93-5167-580-8
12. डॉ. देव रत्ना नीतिशास्त्र एक परिचय मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल म.प्र.


**अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:**

**1.अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक**

1. Ethical Readings: Home–https://epustakalay.com(searched on – 25.05.2021, Saturday,21:03)
2. https://ndpr.nd.edu/reviews/ethics-and-the-history-of-indian-philosophy/
3. Ethics Readings: Philosophy, Department of: Loyola University, Chicago – https://epustakalay.com(searched on – 25.05.2021, Saturday, 21:03)
4. https://www.routledge.com/Indian-Ethics-Classical-Traditions-and Contemporary-Challenges-Volume/Bilimoria-Prabhu-Sharma/p/book/9781138062696
5. https://www.ethicsindia.com

## भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

**अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

| | | |
|---|---|---|
| **आंतरिक मूल्यांकन:**<br>**सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE): | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 15<br>10<br>**कुल अंक :25** |
| आकलन :<br>**विश्वविद्यालयीन परीक्षा:**<br>समय- 02.00 घंटे | **अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)**<br>**अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)**<br>**अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)** | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30<br>**कुल अंक 75** |



Awasthi
डॉ. विनीता अवस्थी दर्शनशास्त्र
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

# Theory Paper

## Part A Introduction

| Program: Certificate | Class`: BA | Year: First | Session: 2021-22 |
|---|---|---|---|
| Subject: PHILOSOPHY | | | |

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Course Code | A1-PHIL2T |
| 2 | Course Title | An Introduction to Ethics - Paper-II |
| 3 | Course Type Generic Elective | Core Course |
| 4 | Pre-requisite (if any) | Open for all |
| 5 | Course Learning outcomes (CLO) | 1. After completion of the study of Ethics the student will become more conscientious about his actions and behavior.<br>2. He will acquire knowledge of implementing ethical solutionsin making policies at his workplace.<br>3. He will know about ethical thinkers and Philosophers which will broaden his horizon. |
| 6 | Credit Value | 6+0=6 |
| 7 | Total Marks | Max. Marks: 25+75 — Min. Passing Marks:33 |

## Part B- Content of the Course

**Total No. of Lectures-90,Tutorials-Practical**
**L-T-P:** 3+0+0=3 **(in hours per week)**

| Unit | Topics | No. of Lectures |
|---|---|---|
| I | **Introduction of Philosophy**<br>1 Concept of Philosophy, Main branches of Philosophy – Metaphysics, Epistemology and Axiology.<br>2 Difference between Indian and Western Philosophy.<br>3 Theoretical and Applied Ethics.<br>4 Characteristics of Ethics and its necessity for human being.<br>**Key word - Drishyate Anena Iti Darshanam, Branches of Philosophy, Applied Ethics** | 18 |
| II | **Indian Ethics –Concept and Nature**<br>1. Concept of Indian Ethics its nature and scope.<br>2. Human Values and principle of Itekartavyata (dutifulness) in Indian Traditions.<br>3. Basic postulates of Indian Ethics – Special reference with Vedic Darshan-Spirituality, Rebirth ,Karmawad<br>4. Nature of Ethics in Upanishads , Geeta ,Yogavasistha and Manusmriti.<br>**Key word – Indian Ethics , Spirituality, Rebirth, Karmawad ,Upnishad Geeta, Shraddhavanlabhatejnanam,Manusmriti** | 18 |
| III | **Indian Ethics Concept and Nature**<br>1. Concept of Rit - The Natural Ethical system .<br>2. The Rin (debt) an ethical concept – Devrin, Gururin, Matra Pitrarin<br>3. Concept of Loksangrah and Swadharma in Shrimadbhagavadgeeta,<br>4. Ashram Vyavastha–Brahmacharya, Grihastha, Vanapratha, Sanyasa.<br>5. **Key word – Rit, Rin, Loksangrah, Swadharma, Ashram Vyavastha** | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| IV | **Main Principles of Indian Ethics**<br>1. Purushartha Chatushtaya – Dharma, Artha, Kaama and Moksha – as main moral duties.<br>2. Hedonism of Charvaka, Panchamahavrata of Jaina Philosophy.<br>3. Parmita and Brahmavihar in Buddhist Philosophy.<br>4. Yama and Niyama in Yoga Philosophy.<br>**Key word – Dharmo Rakshati Rakshitah, Purushartha, Hetrodox Philosophies, Yoga Philosophy.** | 18 |
| V | **Five Elements (Panchmahabhut)- Enrichment, Conservation & Respect-Environmental Ethics**<br>1. Water, Fire, Air, Sky and Earth – Necessity of Panchmahabhut (Five Elements) in life its Enrichment, Conservation and Respect.<br>2. Enrichment,Conservatio and Respect of Panchatattva and importance of Yagya in Sanatan Dharma<br>3. Essentiality of Conscious and Unconscious. Existence for Ecological System, Violence an Immoral action,<br>4. Necessity of protection of five elements in Professional and Industrial Sector, Environmental Ethics.<br>**Key word – Sarvamkhalvidam Brahma, Panchmahabhut (Five Elements), Yagya Environmental Ethics.** | 18 |

## Part C-Learning Resources

**Text Books, Reference Books, Other resources**

**Suggested Readings:**

1 Dutta & Chatterjee, An Introduction to Indian Philosophy, University of Calcutta, 1968
2 M. Hiriyanna, Outlines of Indian Philosophy, George Allen and Unwin, London, 1932.
3 Peter Singer, Practical Ethics, Cambridge University, Cambridge, 2011
4 Simon Blackburn, Ethics A very short Introduction, Oxford University Press, 2001
5 Dr. Vimal Agrawal, e-book 8080, 978-93-5167-173-2

**Suggested equivalent online courses:**

01 Ethical Readings: Home – https://www.ethicalreading.org.uk (searched on 25.05.2021, Saturday, 20.55)
02 https://ndpr.nd.edu/reviews/ethics-and-the-history-of-indian-philosophy/
03 Ethics Readings: Philosophy, Department of: Loyola University, Chicago – https://www.luc.edu (searched on 25.05.2021, Saturday, 20.55)
04 https://www.routledge.com/Indian-Ethics-Classical-Traditions-and-Contemporary-Challenges-Volume/Bilimoria-Prabhu-Sharma/p/book/9781138062696
05 5. https://www.ethicsindia.com

## Part D-Assessment and Evaluation

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**

Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment :** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25 | Class Test Assignment/Presentation | 15<br>10 |
| **External Assessment :** University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours | **Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each) **Section (B)** : Four Short Questions (200 Words Each) **Section (C)** : Two Long Questions (500 Words Each) | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30 Total 75 |

**Any remarks/ suggestions:**



डॉ. विनीता अवस्थी, दर्शनशास्त्र
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मंडल